क्षेत्रों में तेल और गैस का अन्वेषण कर रहे हैं । बोली के चौथे दौर में अन्वेषण के लिये गंगा बेली में भी सात खंडों की पेशकश की गई है ।

रसोई गैस का भण्डारण

2973. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन :**

श्री राम जेठमलानी :

क्या **पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार रसोई गैस के वर्तमान भंडारण में वृद्धि करने के लिये अतिरिक्त भंडारण क्षमता स्थापित करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो वर्तमान भंडारण क्षमता कितनी है और भंडारण क्षमता में वृद्धि करने के बाद कितनी भंडारण क्षमता हो जाने की संभावना है, किन-किन स्थानों पर अतिरिक्त भंडारण क्षमता की व्यवस्था करने का विचार है और ऐसे भंडार में रखे जाने वाली आयातित गैस का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या आत्म-निर्भरता प्राप्त करने के लिये रसोई गैस के घरेलू उपयोग हेतु सरकार द्वारा कोई कार्य-योजना पर विचार किया जा रहा है, यदि हां, तो उक्त योजना के अधीन चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कितनी राशि व्यय करने का प्रस्ताव है ?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री एस कृष्ण कुमार) : (क) से (ग) अतिरिक्त भंडारण क्षमता की स्थापना आठवीं योजना प्रस्तावों को अंतिम रूप दिये जाने की स्थिति पर निर्भर करेगी । 1-10-1991 को एल०पी०जी० की भंडारण क्षमता 135.8 टी०एम०टी० थी । मौजूदा और नई रिफाइनरियों तथा फ्रैक्शनटरों से एल०पी०जी० के देशी उत्पादन को बढ़ाने के सतत प्रयास किये जा रहे हैं ।

तेल शोधक कारखानों की स्थापित क्षमता

2974. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**

श्री राम जेठमलानी :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 27 मार्च, 1991 के "स्टेटसमैन" में "अनरिफाइंड प्लानिंग" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है और यदि हां, तो क्या यह सच है कि देश में वर्तमान स्थापित तेल शोधन क्षमता आवश्यकता से बहुत कम है और यदि हां, तो उक्त क्षमता आवश्यकता से कितनी कम है ; और

(ख) क्या यह सच है कि आगामी दस वर्षों के दौरान प्रस्तावित तेल शोधन क्षमता के देश की आवश्यकता से कम बने रहने की संभावना है और यदि हां, तो उसका अनुमानित ब्यौरा क्या है ?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय राज्य मंत्री तथा रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री एस० कृष्णकुमार) : (क) वर्ष 1990–91 के दौरान लगभग 54.77 एम० एम० टी उत्पादों की हुई खपत की तुलना में देश की वर्तमान शोधन क्षमता 51.85 एम०टी०पी० ए० क्रूड थ्रुपुट की है ।

(ख) अगले दस वर्षों की स्थिति अतिरिक्त शोधन क्षमता की वृद्धि और